|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Dersin Adı** | | **Kodu** | **Yarıyıl** | **T+U** | **Kredi** | **AKTS** | | **İşletme Etiği** | |  | 2 | 2+0 | 2 | 3 | | Ön koşul Dersler |  | | | | | | | Dersin Dili | Türkçe | | | | | | | Dersin Türü | Alan Seçmeli | | | | | | | Dersin Koordinatörü |  | | | | | | | Dersi Veren |  | | | | | | | Dersin Yardımcıları |  | | | | | | | Dersin Amacı | Etik ve iş etiği kurallarının öğretilmesi ile birlikte etik duyarlılığın kazandırılması. | | | | | | | Dersin Öğrenme Çıktıları | Bu dersin sonunda öğrenci;   1. Etik ve ahlak kavramlarını tanımlar. 2. İşletmelerde etiğinin anlamını ve önemini kavrar. 3. Etik ve ahlaki değerlere bağlılık ve duyarlılık 4. Etik konusunun belli başlı kuram ve uygulamalarını anlar. 5. Mesleki etik kuralları hakkında bilgi sahibi olur. 6. Etik karar alma sürecine etki eden örgütsel ve bireysel faktörleri açıklar. | | | | | | | Dersin İçeriği | Kavramsal açıdan ahlak ve etik, Etik türleri, Etik kuramlar, İş etiği-uygulamalı etik türleri, Endüstri ilişkileri etiği, İşletmelerde sosyal sorumluluk ve etik, Yönetim ve etik, Pazarlama ve etik, Finans ve etik, Muhasebe ve etik, İnsan kaynakları ve etik, Halkla ilişkiler ve etik, Üretim ve etik | | | | | | | **Haftalar** | **Konular** | | | | | | | 1 | Kavramsal açıdan ahlak ve etik | | | | | | | 2 | Etik türleri | | | | | | | 3 | Etik kuramlar | | | | | | | 4 | İş etiği-uygulamalı etik türleri | | | | | | | 5 | Endüstri ilişkileri etiği | | | | | | | 6 | İşletmelerde sosyal sorumluluk ve etik | | | | | | | 7 | Yönetim ve etik | | | | | | | 8 | Pazarlama ve etik | | | | | | | 9 | Finans ve etik | | | | | | | 10 | Muhasebe ve etik | | | | | | | 11 | İnsan kaynakları ve etik | | | | | | | 12 | Halkla ilişkiler ve etik | | | | | | | 13 | Üretim ve etik | | | | | | | 14 | Genel tekrar | | | | | |  |  | | --- | | **Genel Yeterlilikler** | | Öğrencilerden, bu dersin ana konularını anlamaları ve alanları ile uygulamalarında kullanmaları beklenir. | | **Kaynaklar** | | Tekin, Z. (2020), İş ve İşletme Etiği, Bursa, Dora Yayıncılık | | **Değerlendirme Sistemi** | | Dönem başında ders izlencelerinde belirtilir. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **PROGRAM ÖĞRENME ÇIKTILARI İLE**  **DERS ÖĞRENİM ÇIKTILARI İLİŞKİSİ TABLOSU** | | | | | | | | | | | | | | | | |  | **PÇ1** | | **PÇ2** | **PÇ3** | **PÇ4** | | **PÇ5** | | **PÇ6** | **PÇ7** | **PÇ8** | | **PÇ9** | | **PÇ10** | | **ÖÇ1** | 5 | | - | - | - | | - | | - | 4 | - | | - | | - | | **ÖÇ2** | 5 | | - | - | - | | - | | - | 4 | - | | - | | - | | **ÖÇ3** | 5 | | - | - | - | | - | | - | 4 | - | | - | | - | | **ÖÇ4** | 5 | | - | - | - | | - | | - | 4 | - | | - | | - | | **ÖÇ5** | 5 | | - | - | - | | - | | - | 4 | - | | - | | - | | **ÖÇ6** | 5 | | - | - | - | | - | | - | 4 | - | | - | | - | | **ÖÇ: Öğrenme Çıktıları PÇ: Program Çıktıları** | | | | | | | | | | | | | | | | | **Katkı Düzeyi** | | **1 Çok Düşük** | | | | **2 Düşük** | | **3 Orta** | | | | **4 Yüksek** | | **5 Çok Yüksek** | |   Program Çıktıları ve İlgili Dersin İlişkisi   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Ders** | **PÇ1** | **PÇ2** | **PÇ3** | **PÇ4** | **PÇ5** | **PÇ6** | **PÇ7** | **PÇ8** | **PÇ9** | **PÇ10** | | İşletme Etiği | 5 | - | - | - | - | - | 4 | - | - | - | |